

तेरी सांवली सूरत ने दीवाना कर डाला भजन लिरिक्स



तेरी सांवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला,
तेरी मोहनी मूरत ने,
मस्ताना कर डाला,
तेरी साँवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला। bdi

तर्ज - घनश्याम तेरी बंसी।

तेरी विरह की अग्नि में,
जलता है बदन मेरा,
मेरे श्याम मुझे तुमने,
परवाना बना डाला,
तेरी मोहनी मूरत ने,
मस्ताना कर डाला,
तेरी साँवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला। bdi

मेरे मंदिर आ आओ,
तेरा भक्त बुलाता है,
मुझको ही क्यों तुमने,
अनजाना कर डाला,
तेरी मोहनी मूरत ने,
मस्ताना कर डाला,
तेरी साँवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला। bdi

यमुना तट आ जाओ,
फिर बंसी बजा जाओ,
क्यों खेलते गुलशन को,
वीराना बना डाला,
तेरी मोहनी मूरत ने,
मस्ताना कर डाला,
तेरी साँवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला। bdi



तेरी सांवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला,
तेरी मोहनी मूरत ने,
मस्ताना कर डाला,
तेरी साँवली सूरत ने,
दीवाना कर डाला।bd।

स्वर – सुनील जी पाठक।
